भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 602

जिसका उत्तर 28 नवंबर, 2024 को दिया जाना है।

.....

आयड नदी में प्रदूषण

602. डॉ. मन्ना लाल रावत:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आयड नदी में प्रदूषित जल और औद्योगिक अपशिष्ट प्रवाहित किए जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप राजस्थान के उदयपुर में स्थित उदय सागर झील प्रदूषित हो रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और

(ग) उक्त प्रयोजनार्थ कितनी निधि आवंटित की गई है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क) से (ग): केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की प्रदूषित नदी खंड (पीआरएस) पर आधारित रिपोर्ट, 2022 के अनुसार 30 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) में 603 नदियों की निगरानी की गई और 279 नदियों पर 311 नदी खंड प्रदूषित पाए गए। हालाँकि, आयड नदी इस रिपोर्ट में शामिल नहीं है। राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, अनुपचारित/आंशिक रूप से उपचारित/पूर्णत: उपचारित घरेलू सीवेज को आयड नदी में प्रवाहित किया जा रहा है।

20 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी), 25 एमएलडी, 10 एमएलडी और 5 एमएलडी क्षमता वाले चार सामान्य सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (सीएसटीपी) क्रमशः एकलिंगपुरा कलड़वास, उदय सागर रोड, एफसीआई गोदाम के पास और करजाली हाउस में स्थापित किए गए हैं। जिनमें से 20 एमएलडी और 25 एमएलडी क्षमता वाले 2 सीएसटीपी के उपचारित जल का उपयोग राजपुरा दरीबा स्मेल्टर कॉम्प्लेक्स में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) इकाई द्वारा किया जाता है और 10 एमएलडी और 5 एमएलडी क्षमता वाले अन्य 2 सीएसटीपी के उपचारित जल को आयड नदी में प्रवाहित किया जाता है। अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) 2.0 के अंतर्गत सीवर लाइन बिछाने के कार्य हेतु 200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

*****